लखनऊ
सोमवार, 19 फरवरी 2024
वर्ष:-08 अंक:-30
पृष्ठ:-8 मूल्य:- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक
नई सोच, नया जुनून.....
करण वाणी

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो सूरज की तरह जलना सीखो।
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

10 लाख करोड़ की परियोजनाएं का शुभारंभ, 34 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ में यूपी का चौथा भूमि पूजन समारोह आज से शुरू हो रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी इसमें शिरकत करेंगे। देश-विदेश के शीर्ष उद्योगपति यहां पर आएंगे।

करण वाणी, न्यूज

यूपी सोमवार को तरक्की की लंबी छलांग का गवाह बनेगा। 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतरती हुई दिखेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 हजार निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इससे 34 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, जो यूपी को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सीएम योगी आदित्यनाथ के सपने को पूरा करने की दिशा में एक अहम पड़ाव होगा।

पीएम मोदी सोमवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से परियोजनाओं का शुभकामनाएं करेंगे। इसके बाद लोगों को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अन्य गणमान्य महानुभाव के साथ वहां लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आयोजन हुआ था और अब 19-21 फरवरी के बीच भूमि पूजन समारोह (जीबीसी) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के जाने-माने उद्योगपति शामिल होंगे। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद योगी सरकार के लिए यह एक और बड़ा अवसर है, जब पूरी दुनिया की नजरें यूपी की ओर हैं।

4000 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

तीन दिवसीय इस आयोजन में दुनिया के करीब 4000 प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की संभावना है। इसमें जाने-माने उद्योगपति, फॉर्च्यून ग्लोबल/इंडिया 500 कंपनियां, विदेशी निवेशक भागीदार, राजदूत व उच्चायुक्त और अन्य प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हैं। प्रदर्शनी स्थल पर 10 अलग-अलग पवेलियन बनाए गए हैं, जिनमें एआई पवेलियन, टेक्सटाइल, डाटा सेंटर व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, फिल्म सिटी, इन्वेस्ट यूपी व टॉप इन्वेस्टर्स, मेडिकल डिवाइस, ईवी एंड रिन्यूएबल एनर्जी और डिफेंस व एयरोस्पेस शामिल हैं।

कहां-कितना निवेश

प्रदेश के सभी हिस्सों व जिलों में ये निवेश होगा। सर्वाधिक 52 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं की शुरूआत पश्चिमांचल में होगी। इसके बाद पूर्वांचल में 29, मध्यांचल में 14 और बुंदेलखंड में 5 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

एटा समेत 19 जिलों में लक्ष्य से ज्यादा निवेश

प्रदेश के 19 जिले ऐसे हैं जिन्होंने लक्ष्य से ज्यादा निवेश हासिल किया। इनमें एटा ने 354 प्रतिशत, सीतापुर 145, शाहजहांपुर 127, सोनभद्र 121, चंदौली 117, मुजफ्फरनगर और मुरादाबाद 114, मीरजापुर 113, हरदोई 111, अमेठी 108, बाराबंकी 108, फतेहपुर-गोंडा 105, बरेली 104, रामपुर 103, बहराइच 101 और लखीमपुर खीरी, भदोही व बिजनौर ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है।

चौथा भूमि पूजन समारोह

यह योगी सरकार का चौथा भूमि पूजन समारोह है। पहले के तीन जीबीसी में 2.10 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश धरातल पर उतारा गया।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 में ₹10 लाख करोड़ के निवेश

निवेश में 16 विभाग आगे

37 विभागों के माध्यम से यह निवेश होगा। इनमें 16 विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल किया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने 888 प्रतिशत, फूड एंड सिविल सप्लाई 226, वन विभाग 182, आयुष 173, पशुपालन 167, ऊर्जा 165, माध्यमिक शिक्षा 139, तकनीकी शिक्षा 133, उद्यान 120, अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत 114, केन डेवलपमेंट एंड शुगर इंडस्ट्री 112, चिकित्सा शिक्षा 110, स्वास्थ्य 105, यीडा 103, नागरिक उड्डयन 100 और जीनीडा ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है।

आज के मुख्य मेहमान और आकर्षण

- हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन धीरज हिंदुजा
- सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के सीईओ जेपी पार्क
- आईएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर
- टॉरेंट ग्रुप के एमडी जीनल मेहता
- एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन जलज मेहता
- सीएम योगी यूपी में उद्योगों के अनुरूप भविष्य की योजनाओं पर अपनी बात रखेंगे।
- लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह का संबोधन।
- पीएम को प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने अखिलेश को दिया बड़ा झटका, नई पार्टी का किया ऐलान

समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ-साथ उन्होंने पार्टी चीफ अखिलेश यादव को एक चिट्ठी भी लिखी थी। इसमें उन्होंने बताया था कि आखिर वो क्यों इस्तीफा दे रहे हैं।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने नई पार्टी के गठन का एलान कर दिया है। 22 फरवरी को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में रैली को संबोधित करेंगे। स्वामी की पार्टी का नाम राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी होगा। अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी से पूरी तरह अलग हो गए हैं। उन्होंने नई पार्टी को पुनर्गठित कर दिया है। इस पार्टी का नाम राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी है। सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने पार्टी का झंडा लॉन्च कर दिया है। जोकि नीले, लाल और हरे रंग को मिलाकर बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक, अलीगढ़ के रहने वाले साहेब सिंह धनगर ने 2013 में यह बनाई थी।

साहेब सिंह धनगर हैं फाउंडर

साहेब सिंह धनगर 1993 में बीएसपी से विधानसभा चुनाव लडे थे। इसके बाद 2002 में सपा से लड़े थे। बीच में बीएसपी से लोकसभा भी लड़े थे। 2013 में इन्होंने आरएसएसपी बनाई। 2014, 2017, 2019 का चुनाव इनकी पार्टी लड़ी थी। 2020 में इन्होंने इंडियन डेमोक्रेटिक एलायंस कुञ्ज बनाया जिसमें कई छोटे मोटे दल साथ आए। इस एलाएंस ने 2022 का चुनाव लडा था। साहेब सिंह धनगर इस पार्टी के फाउंडर हैं।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 37 विभागों के माध्यम से धरातल पर उतरेगा 10,23,537 करोड़ का निवेश

▶▶ 19 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पीएम मोदी करेंगे कुल 14,619 परियोजनाओं का शुभारंभ

▶▶ बेसिक शिक्षा विभाग ने सर्वाधिक 888% लक्ष्य हासिल किया तो यूपीसीडा के माध्यम से सर्वाधिक 1.5 लाख करोड़ का होगा निवेश

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) में योगी सरकार जो 10 लाख करोड़ से अधिक की निवेश परियोजनाओं का शुभारंभकरने जा रही है, उसमें सरकार के 37 विभागों का योगदान है। इन 37 में 16 विभाग ऐसे हैं जिन्होंने निर्धारित लक्ष्य का शत प्रतिशत याउससे अधिक हासिल किया है। इसके तहत बेसिक शिक्षा विभाग निर्धारित लक्ष्य का 888 प्रतिशत निवेश धरातल पर उतरेगा तो वहींराशि के मामले में यूपीसीडा के अंतर्गत सर्वाधिक 1.5 लाख करोड़ की निवेश परियोजनाएं अमली जामा पहनेंगी। अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग की करीब 1.42 लाख करोड़ की निवेश परियोजनाओं का भी शुभारंभ होगा। इस तरह कुल 10,23,537 करोड़ की 14,619 परियोजनाओं का शुभारंभ 19 फरवरी को पीएम मोदी द्वारा राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जाएगा।

16 विभागों से 4.5 लाख करोड़ का निवेश

जिन 16 विभागों ने शत प्रतिशत या इससे अधिक लक्ष्य हासिल किया है उनमें बेसिक शिक्षा के अलावा फूड एंड सिविल सप्लाई(226%), वन विभाग (182%), आयुष (173%), पशुपालन (167%), ऊर्जा (165%), माध्यमिक शिक्षा (139%), तकनीकी शिक्षा(133%), उद्यान (120%), अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत (114%), केन डेवलपमेंट एंड शुगर इंडस्ट्री (112%), चिकित्सा शिक्षा (110%), स्वास्थ्य (105%), यीडा (103%), नागरिक उड्डयन (100%) और जीनीडा (100%) शामिल हैं। इन 16 विभागों के माध्यम से प्रदेशमें करीब 4.5 लाख करोड़ की लागत वाले कुल 4381 परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है।

यूपीसीडा और अतिरिक ऊर्जा स्रोत के माध्यम से सर्वाधिक निवेश

निवेश राशि का आंकलन करें तो जीबीसी 4.0 में यूपीसीडा शीर्ष पर है। यूपीसीडा ने जीबीसी 4.0 के तहत निर्धारित लक्ष्य का 75 प्रतिशत हासिल किया है। उसे 2 लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष उसने 1,50,748 करोड़ की 3300 परियोजनाओं को रेडी कर लिया है। यूपीसीडा के अलावा अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत ने 1,41,987 करोड़ की 189 परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की तैयारी की है। इसके अलावा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग 91583 करोड़ की 64 परियोजनाएं, आवास विभाग 59,382 करोड़ की 769 परियोजनाएं, नोएडा 75,309 करोड़ की 302 परियोजनाएं, एमएसएमई 49,776 करोड़ की 3178 परियोजनाएं, जीनिडा 60,019 करोड़ की 169 परियोजनाएं, उद्यान विभाग 62,7730 करोड़ की 1082 परियोजनाएं और ऊर्जा विभाग 61,942 करोड़ की9 परियोजनाएं जमीन पर उतरेगा।

दोबारा टिकट की आस लगाए सांसदों को पीएम मोदी ने दिया झटका, बोले- कमल ही हमारा कैंडिडेट

पार्टी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के नेताओं को संकेत दिया कि जिन नेताओं की उम्र 70 साल के पार हो चुकी है या जिनका रिपोर्ट कार्ड ठीक नहीं है पार्टी उन्हें दोबारा मौका नहीं देगी।

करण वाणी, न्यूज

आगामी लोकसभा चुनाव में फिर से टिकट की आस लगाए भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तगड़ा झटका दिया है। पार्टी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के नेताओं को संकेत दिया कि जिन नेताओं की उम्र 70 साल के पार हो चुकी है या जिनका रिपोर्ट कार्ड ठीक नहीं है पार्टी उन्हें दोबारा मौका नहीं देगी। पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि, 'कमल का फूल ही लोकसभा चुनाव में हमारा उम्मीदवार है।' उन्होंने कहा कि सबको मिलकर यही प्रयास करना है कि कमल की जीत सुनिश्चित हो। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अपनी इस बात से पीएम मोदी ने दोबारा टिकट की इच्छा रखने वालों को संदेश दिया है कि अगर उनका टिकट कट भी जाए तो भी उन्हें नए प्रत्याशी की जीत के लिए पूरा प्रयास करना है।

कार्यकताओं को अगले 100 दिन कड़ी मेहनत करनी है

प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने मीडिया से बात करते हुए बताया, ह्लप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के लिए प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि कमल का फूल ही सभी 543 सीटों के लिए हमारा प्रत्याशी है। उम्मीदवारों का चयन होता रहेगा लेकिन पार्टी के कार्यकताओं को अगले 100 दिन कड़ी मेहनत करनी है।

तैयार हो गया है सांसदों का रिपोर्ट कार्ड

सूत्रों के मुताबिक, आगामी चुनाव में अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए भाजपा ने पहले ही सांसदों का रिपोर्ट कार्ड बना लिया है। ऐसे में जिनकी रिपोर्ट अच्छी नहीं है या जिन सांसदों की उम्र 70 साल के पार है। उन सांसदों को टिकट नहीं दिया जाएगा। जिन सांसदों का नाम किसी तरह के बड़े विवाद में है, उनका भी टिकट कट सकता है।

टिकट कटेगा, कैसे बंद होगी बोलती

सूत्रों का कहना है कि बूथ स्तर के कार्यकताओं से मुलाकात करने के बाद उनके सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार हुआ है। टिकट काटने में जनता द्वारा मिली प्रतिक्रिया को ही आधार बनाया जाएगा। ऐसे में टिकट ना मिलने पर बोलती बंद करने का भी इंतजाम पहले ही कर लिया गया है। संभावना यह भी है कि अलग-अलग राज्यों में अच्छा काम करने वाले विधायकों को भी लोकसभा का टिकट दिया जाए।

क्या हो सकता है टिकट काटने का पैमाना

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि टिकट काटने के पैमाने में उम्र, प्रदर्शन और विवाद को आधार बनाया जा सकता है। 70 से अधिक उम्र वालों का टिकट कट सकता है। इसके अलावा लगातार तीन बार चुनाव जीतने वाले सांसदों का भी टिकट कट सकता है। उनके क्षेत्र में एंटीइनकंबेंसी के चांस ज्यादा हैं। विवाद में शामिल और बेहद कम अंतर से जीत दर्ज करना वाले संसदों पर भी तलवार लटक रही है। 2019 के चुनाव में 27 सीटें ऐसी हैं जहां केवल एक फीसदी के अंतर से जीत हासिल हुई थी। वहीं दो फीसदी के अंतर से जीतने वाली सीटों की संख्या 48 है। इन सीटों पर उम्मीदवारों को बदला जा सकता है।

70 साल से ज्यादा है 61 सांसदों की उम्र

रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 61 सांसद ऐसे हैं जिनकी उम्र 70 साल से ज्यादा है। वहीं लगातार तीन बार चुनाव जीतने वाले 20 सांसद हैं। भाजपा उन सीटों पर इस बार खास ध्यान देने वाली है जिनपर 2019 में हार हुई थी। ऐसी 161 सीटों में से कम से कम 67 पर जीत का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा को बंगाल और तेलंगाना के साथ आंध्र प्रदेश से भी उम्मीदें हैं जहां सीटों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

राज्यसभा चुनाव के पहले खेला.....

दिग्गज दलित नेता समेत सपा के 10 विधायक बीजेपी में जाने को तैयार

लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही समय बचा है. ऐसे में नेताओं का पार्टी बदलने का दौर शुरू हो गया है. मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव के पहले सपा में बड़ी टूट होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं।

करण वाणी, न्यूज

लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट की खबर सामने आ रही है. सूत्रों के मुताबिक राज्यसभा चुनाव से पहले सपा में बागियों के स्वर मजबूत हो रहे हैं जिसके चलते सपा की चिंता बढ़ गई है. सूत्रों के मुताबिक सपा के 10 विधायक बीजेपी और 3 विधायक कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं. जानकारी के मुताबिक सपा विधायक इंद्रजीत सरोज समेत करीब दर्जन भर विधायक बीजेपी के साथ संपर्क साधे हुए हैं. इसके अलावा अमिताभ वाजपेयी समेत 3 विधायक कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं. अगर ऐसा हुआ तो अखिलेश यादव के लिए चुनाव से पहले बहुत बड़ा झटका होगा.

राज्यसभा चुनाव को लेकर बढ़ी नाराजगी

हालांकि कुछ ही दिन पहले अखिलेश यादव के कई करीबी नेताओं ने उन्हें झटका दिया है। सपा विधायक और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ने पहले ही राज्यसभा चुनाव में अपनी पार्टी को उतारने को वोट देने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी पीडीए के रास्ते पर चल रही है। साथ ही उन्होंने सपा के उम्मीदवार जया बच्चन और आलोक रंजन पर सवाल खड़े किए हैं।

पल्लवी पटेल के बगावती तेवर बरकरार

लोकसभा चुनाव से पहले सपा को लगातार एक के बाद एक झटके मिल रहे हैं. जहां पहले जयंत चौधरी ने अखिलेश का साथ छोडा तो वहीं पल्लवी पटेल भी नाराज हो गईं है. सपा विधायक और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल भी अखिलेश से नाराज दिखाई दे रही हैं. पल्लवी पटेल ने खुलकर कहा है कि, राज्यसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार को वोट नहीं देंगी. इसी के साथ ही उन्होंने अखिलेश को पीडीए के खिलाफ बताया है. उन्होंने अखिलेश के पीडीए का नारा सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया.

सीट शेयरिंग को लेकर स्थिति साफ नहीं

कांग्रेस और सपा के बीच अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर स्थिति साफ नहीं हुई है. इन तमाम मुसीबतों से अभी अखिलेश जूझ ही रहे थे कि एक और बड़ी खबर सामने आ रही है. बताया जा रहा है कि सपा के 10 विधायक जल्द ही भगवा दामन थाम सकते हैं तो वहीं तीन विधायक कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं. सपा में टूट को आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से देखा जा रहा है. राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग के लिहाज से भी इस टूट को अखिलेश के लिए एक बड़ा झटका ही माना जा रहा है.

नामाकंन के बाद शुरू हुए बगावती सुर

सपा में बगावती राज्सभा उम्मीदवारों के नामाकंन के बाद शुरू हो गए. पहले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने प्रत्याशियों के नामांकन होने के बाद पार्टी महासचिव के पद से इस्तीफा दिया. उत्तर प्रदेश में 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहा है. बीजेपी ने इस चुनाव में 8 और सपा ने 3 प्रत्याशी उतारे हैं. अखिलेश यादव ने जया बच्चन और आलोक रंजन के अलावा रामजी सुमन को अपना राज्यसभा प्रत्याशी बनाया है।

कमलनाथ के बाद अब मनीष तिवारी को भगवाधारी बनने की अटकलें

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कमलनाथ के बाद कांग्रेस के एक और पुराने नेता बीजेपी में जाने पर विचार कर रहे हैं। दावाकिया गया है कि कांग्रेस नेता और पंजाब के आनंदपुर साहिब से लोकसभा सांसद मनीष तिवारी बीजेपी के संपर्क में हैं और पार्टी छोड़सकते हैं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया टूटने की आशंका के बीच कांग्रेस के अंदर ही बड़ी टूट की संभावना जताई जा रही है। कमलनाथ केबाद एक और बड़े नेता के पाला बदलने की बातें सामने आ रही है।

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कांग्रेस नेता और पंजाब के आनंदपुर साहिब से लोकसभा सांसद मनीष तिवारी बीजेपी केसंपर्क में हैं और पार्टी छोड़ सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अगर अफवाहें कायम रहती हैं और तिवारी कांग्रेस से सारे रिश्ते तोड़ कर भगवाधारी बन सकते हैं। यह कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटकाहोगा, जब एक और पुराने नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ के भी भाजपा में शामिल होने की अटकलें हैं।

हालांकि, मनीष तिवारी के एक करीबी सूत्र ने कहा कि कांग्रेस के पुराने नेता को भाजपा से जोड़ने की अटकलें ह्यबकवासह्य है, क्योंकि वहअपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करने में व्यस्त हैं। कांग्रेस सूत्र ने कहा कि वो अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम कररहे हैं और उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें झूठी और निराधार हैं।

आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर में बुजुर्गों को साड़ी व कुर्ता देकर किया गया सम्मानित

▶▶ग्राम हरौनी के 4 मेधावियों को साईकल तथा युवाओं को दी गई स्पोर्ट्स किट, सभी ने विधायक डॉ राजेश्वर सिंह का जताया आभार

▶▶जनसमस्याओं के समाधान के लिए डॉ राजेश्वर सिंह की अभिनव पहल आपका विधायक आपके द्वार बन गया महाभियान, शिविर से लाभान्वित हुए हजारों लोग

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्रवासियों के लिए सहज उपलब्धता, संवाद एवं उनके समस्याओं के समाधान साथ ही प्रत्येक पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभार्थी बनाने के लिए विधायक डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा ह्यआपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर विगत 61 सप्ताह से अनवरत क्षेत्र के अलग अलग गांवों में आयोजित किया जा रहा है। उसी क्रम में रविवार को ग्रामसभा हरौनी में 61वें आपका विधायक आपके द्वारह्य जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ विधायक डॉ राजेश्वर सिंह की टीम द्वारा ग्रामवासियों से सहज संवाद कर उनकी समस्याएं को सूना गया, जनसुनवाई शिविर में आवास, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधी, सड़क, नाली, सोलर लाइट, हैण्डपम्प और मेमो ट्रेन के संचालन में बढ़ोतरी सम्बन्धी करीब 23 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, क्षेत्रवासियों की इन सभी समस्याओं के जल्द निस्तारण के लिए विधायक डॉ राजेश्वर सिंह की टीम द्वारा उन्हें आश्वस्त किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों से क्षेत्र के विकास संबंधित सुझाव भी प्राप्त किए गये।

शिविर के दौरान ह्यगाँव की शानह्य पहल के अंतर्गत 4 मेधावियों खुशी वर्मा, मयंक चौधरी, रविनेत्री सिंह और आद्या स्तुती को साईकिल, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, बतादें डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा बच्चों को शिक्षा के प्रति निरंतर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के क्रम में अब तक 1000 छात्रझ छात्राओं को साइकल, टैबलेट और नगद पुरस्कार प्रदान कर समानित किया जा चुका है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संसाधनों के प्रसार के लिए विधायक द्वारा ग्रामसभा हरौनी में 123 वें ह्यस्पोर्ट्स क्लबह्य का गठन कर युवाओं को स्पोर्ट्स किट गयी।

साथ ही ग्राम हरौनी की वृद्ध महिलाओं को साड़ी एवं वृद्ध पुरुषों को कुर्ता देकर सम्मानित किया गया, इस दौरान ह्यतारा शक्ति निःशुल्करसोईह्य से क्षेत्रवासियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया, विधायक डॉ राजेश्वर सिंह अंत्योदय की अवधारणा को धरातल पर साकार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, जिसमें 61 सप्ताह से अनवरत आयोजित हो रहा ह्यआपका विधायक आपके द्वारह्य जनसुनवाई शिविर अहम भूमिका अदा कर रहा है।

सपा की हर रणनीति हो रही फेल, समीकरण बिगाड़ रहे तीन विधायक

राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने 8 तो सपा ने 3 प्रत्याशी उतारे है, सपा के तीसरे प्रत्याशी के लिए चुनाव जीतना कठिनहोगा.क्योंकि उसके लिए सपा को 3 विधायक की जरूरत और पड़ेगी।

करण वाणी, न्यूज

राज्य सभा चुनाव में बीजेपी ने अपना 8वां प्रत्याशी मैदान में उतार दिया है. वहीं सपा के लिए इस चुनाव में तीसरे प्रत्याशी की जितनामुश्किल साबित हो रहा है. क्योंकि सपा का एक विधायक जेल में बंद है. जिसके चलते राज्यसभा चुनाव में सपा के तीसरे प्रत्याशी के लिए बढ़ रही मुसीबत, राज्यसभा चुनाव में एक सीट पर 37 विधायकों के वोट की जरूरत होती है. लेकिन इस आंकड़े के सपा का समीकरण बिगड़ता नजर आ रहा है।

आंकड़ों की बात की जाए तो जहां भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में अपने 8 प्रत्याशी उतार दिए हैं. तो वहीं सपा ने अपने तीन सीटों पर प्रत्याशी तैयार किया है. लेकिन सपा के 108 विधायक इस टेस्ट सीट के समीकरण को खराब कर रहे हैं. दरअसल, एक राज्यस भाप्रत्याशी पर 37 विधायकों की जरूरत होती है. जो इस चुनाव में एक प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करते हैं. वहीं सपा के पास मौजूद 108 विधायक होने से सपा की तीसरी सीट संशय में दिखाई दे रही है. अब सपा को जीत के लिए 111 विधायकों के वोटों की जरूरत है. तब जाकर सपा अपने तीनों प्रत्याशी जीता पाएगी।

सपा को तीन विधायक की जरूरत

सपा के पास कुल 108 विधायक है. उसे अपने तीन सीट के लिए 111 विधायकों की जरूरत है. अब इस आंकड़े में सपा तीन विधायकोंसे पीछे है. लेकिन सपा कांग्रेस के बीच में गठबंधन की बात बनती है. तो शायद कांग्रेस के अपने दो विधायक देकर सपा की कुछदिक्कत कम कर सकती है. वहीं पल्लवी पटेल ने साफ कर दिया है कि हो सपा के लिए राज्यसभा में वोट नहीं करेंगी. जिससे सपा अपनेतीसरे प्रत्याशी के लिए चिंतित है. वही कानपुर से सपा विधायक इरफान सोलंकी पिछले लंबे समय से जेल में बंद है।

चुनाव आयोग से कोई गाइडलाइन नहीं

चुनाव आयोग और सरकार की ओर से अभी तक ऐसी कोई भी गाइड लाइन नहीं आई है. जिससे ये साफ हो जाए की जेल या न्यायिक हिरासत में रहने वाला कोई प्रतिनिधि बाहर निकल कर अपना वोट कर सके मौजूदा हालात को देखते हुए अभी सपा विधायक बाहर आकर वोट करने की संभावना नहीं दिख रही है. ऐसे में जेल में बंद सपा विधायक शायद इस चुनाव में अपना वोट नहीं कर पाएंगे. जिससे सपा का राज्यसभा में तीसरे प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करना कठिन बना हुआ है।

MSP पर खरीद के लिए किसानों के साथ पांच वर्षीय समझौता करने का प्रस्ताव

गोयल ने बैठक समाप्त होने के बाद कहा कि किसानों के साथ वार्ता सद्भावनापूर्ण माहौल में हुईं. उन्होंने कहा, हमने सहकारी समितियों एनसीसीएफ और नाफेड को एमएसपी पर दालें खरीदने के लिए किसानों के साथ पांच साल का समझौता करने का प्रस्ताव दिया है।

करण वाणी, न्यूज

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने किसान नेताओं के साथ वार्ता समाप्त होने के बाद रविवार देर रात कहा कि सरकार ने सहकारी समितियों एनसीसीएफ (भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित) और नाफेड (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ) को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दालें खरीदने के लिए किसानों के साथ पांच साल का समझौता करने का प्रस्ताव दिया है.

उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा एमएसपी पर कपास की फसल खरीदने के लिए किसानों के साथ पांच साल का समझौता करने का प्रस्ताव दिया गया है.

गोयल ने बताया कि किसान नेता सरकार के प्रस्तावों पर अपने निर्णय के बारे में कल तक सूचित करेंगे. केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच रविवार शाम को चंडीगढ़ में शुरू हुई चौथे दौर की बातचीत देर रात समाप्त हुई. गोयल ने बैठक समाप्त होने के बाद कहा कि किसानों के साथ वार्ता सद्भावनापूर्ण माहौल में हुईं.

उन्होंने कहा, ह्यह्यहमने सहकारी समितियों एनसीसीएफ और नाफेड को एमएसपी पर दालें खरीदने के लिए किसानों के साथ पांच साल का समझौता करने का प्रस्ताव दिया है.''

गोयल ने कहा, ह्यह्यहमने प्रस्ताव दिया है कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) एमएसपी पर कपास की फसल खरीदने के लिए किसानों के साथ पांच साल का समझौता करेगा.''

किसान उपज के एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं.

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय किसान नेताओं के साथ बैठक के लिए सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान पहुंचे थे.

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी बैठक में शामिल हुए. यह बैठक रात करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई थी.

केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच इससे पहले आठ, 12 और 15 फरवरी को मुलाकात हुई लेकिन बातचीत बेनतीजा रही थी.

यह बैठक ऐसे वक्त हुई है, जब हजारों किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा की सीमा पर शंभू और खनौरी में डटे हुए हैं तथा किसानों के ह्यदिल्ली चलो' मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश से रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं.

एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान कृषकों के कल्याण के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन तथा कर्ज माफी, लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग कर रहे हैं.

किसानों और मंत्रियों की बैठक से पहले, दिन में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने घोषणा की कि फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने का केंद्र पर दबाव बनाने के लिए मंगलवार से तीन दिन तक पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के आवासों का घेराव किया जाएगा.

एसकेएम के नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि वे मंगलवार से बृहस्पतिवार तक सांसदों, विधायकों और जिला इकाइयों के अध्यक्षों सहित भाजपा की पंजाब इकाई के नेताओं के आवासों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे.

राजेवाल ने लुधियाना में एसकेएम नेताओं की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह भी निर्णय लिया गया है कि वे राज्य के सभी टोल अवरोधकों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे और उन्हें 20 से 22 फरवरी तक सभी यात्रियों के लिए निःशुल्क बनाएंगे.

उन्होंने कहा कि एसकेएम स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में अनुशंसित एमएसपी के लिए ह्यसी-2 प्लस 50 प्रतिशत फॉर्मूले' से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेगा. इस बैठक में किसान नेता बलकरण सिंह बराड़ और बूटा सिंह सहित अन्य नेता शामिल हुए.

वहीं, बातचीत से पहले किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार को टाल-मटोल की नीति नहीं अपनानी चाहिए और आचार संहिता लागू होने से पहले किसानों की मांगें माननी चाहिए.

लोकसभा चुनाव की घोषणा अगले माह की जा सकती है. डल्लेवाल ने शंभू सीमा पर संवावदाताओं से कहा, ह्यह्यमैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वह टाल-मटोल की नीति न अपनाये.''

उन्होंने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि वह आचार संहिता लागू होने तक बैठकें जारी रखेगी और फिर कहेगी कि आचार संहिता लागू हो गई है एवं हम कुछ नहीं कर सकते ....(फिर भी) ह्यह्यकिसान वापस नहीं लौटेंगे.''

उन्होंने कहा, ह्यह्यसरकार को आचार संहिता लागू होने से पहले हमारी मांगों का समाधान तलाशना चाहिए.''

उधर, हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के प्रमुख गुरनाम सिंह चढूनी और कुछ खापों ने पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों के समर्थन में कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक पंचायत में हिस्सा लिया.

बैठक के बाद चढूनी ने संवाददाताओं से कहा कि आंदोलन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करने के लिए सभी किसान संगठनों को एकजुट करने का निर्णय लिया गया है.

उन्होंने कहा कि तय वार्ता के चलते कई अन्य फैसले फिलहाल रोक दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि बातचीत का नतीजा सामने आने के बाद फैसलों की घोषणा की जाएगी.

खाप नेता ओ.पी. धनखड़ ने कहा कि हरियाणा की खापें आंदोलन के समर्थन में हैं और केंद्र सरकार को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने में देरी नहीं करनी चाहिए. पंचायत में शामिल हुए एक अन्य खाप नेता ने कहा कि अगर वार्ता विफल रही तो किसान दिल्ली पहुंचेंगे और विरोध-प्रदर्शन करेंगे.

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर पटियाला, संगरूर और फतेहगढ़ साहिब समेत पंजाब के कुछ जिलों के चुनिंदा इलाकों में इंटरनेट सेवाओं पर लागू प्रतिबंध 24 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है.

जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज ने ली समाधि, पीएम मोदी ने जताया शोक

कर्नाटक के बेलगांव के चिक्कोड़ी में साल 1946 में जन्मे आचार्य विद्यासागर ने शनिवार देर रात समाधि ले ली। वह पिछले तीन दिनों सेउपवास और मौन धारण किए हुए थे।

डोंगरगढ़ः जैन धर्म में दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपना शरीर त्याग दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ केडोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरि तीर्थ में शनिवार (17 फरवरी) की रात 2:35 पर समाधि ली। वहीं इससे पहले उन्होंने आचार्य पद का त्याग करदिया था और तीन दिन का उपवास और मौन धारण कर लिया था। तीन दिन उपवास के बाद उन्होंने शरीर त्याग दिए।

पीएम मोदी ने जताया शोक

उनके समाधि लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा, ह्लआचार्य श्री108 विद्यासागर जी महाराज जी का ब्रह्मलीन होना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लोगों में आध्यात्मिक जागृति के लिए उनके बहुमूल्य प्रयास सदैव स्मरण किए जाएंगे। वे जीवन पर्यंत गरीबी उन्मूलन के साथझसाथ समाज में स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने मेंजुटे रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे निरंतर उनका आशीर्वाद मिलता रहा। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर मेंउनसे हुई भेंट मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगी। तब आचार्य जी से मुझे भरपूर स्नेह और आशीष प्राप्त हुआ था। समाज के लिए उनका अप्रतिम योगदान देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

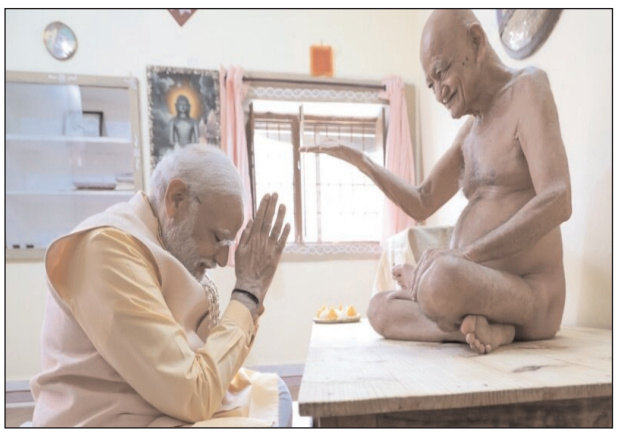

सुहानी भटनागर ने कहा दुनिया को अलविदा

सुहानी की मम्मी ने बताया कि 'दंगल' के बाद भी आमिर कान उनके परिवार से टच में थे. किसी ने भी आमिर या उनकी प्रोडक्शन की टीम को सुहानी की हालत के बारे में जानकारी नहीं दी थी. परिवार पहले से ही काफी डिस्टर्ब था, इसलिए.

'दंगल गर्ल' सुहानी भटनागर ने 16 फरवरी के दिन दुनिया को अलविदा कह दिया. एक्ट्रेस डमेटौमायोसाइटिस से जूझ रही थीं. 2 महीने पहले एक्ट्रेस के उल्टे हाथ में सूजन आनी शुरू हुई थी. जिसे नॉर्मल समझा लेकिन, फिर उनके दूसरे हाथ में और फिर पूरे शरीर में सूजन बढ़ गई. इंफेक्शन हुआ, फेफड़ों में पानी भरा और उन्होंने दम तोड़ दिया. सुहानी के जाने से उनके पेरेंट्स टूट गए हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में सुहानी की मम्मी पूजा भटनागर ने दर्द बयां किया.

सुहानी की मम्मी ने कही ये बात

पूजा भटनागर ने अठक संग बातचीत में कहा कि सुहानी ने हमें सोसायटी में प्राउड फील कराया है. हर पेरेंट प्राउड फील करता है कि वो अपने बच्चे के नाम से जाना जाता है. हमारी क्या आइडेंटिटी थी? हमें जो पहचान मिली है वो तो सुहानी की वजह से ही मिली है. लोग हमें कहते थे कि 'ये दंगल गर्ल के पेरेंट्स हैं'. जहां भी जाना हो हमारी पहचान उसी के नाम से होती थी. हर एक को अपना बच्चा बहुत अच्छा लगता है. पर हमारा बच्चा हमें बहुत प्राउड फील कराकर गया है.

सुहानी की मम्मी ने बताया कि 'दंगल' के बाद भी आमिर खान उनके परिवार से टच में थे. किसी ने भी आमिर या उनकी प्रोडक्शन की टीम को सुहानी की हालत के बारे में जानकारी नहीं दी थी. परिवार पहले से ही काफी डिस्टर्ब था, इसलिए पूजा भटनागर ने कहा कि अगर वो आमिर खान को सुहानी की हालत के बारे में बतातीं तो वो उन्हें मैसेज करके या फिर कॉल करके जरूर पूछते. मदद के लिए आगे भी आते.

पूजा ने कहा- आमिर सर तो हमारे टच में रहे हैं. वो एक अच्छे इंसान हैं. वो हमेशा सुहानी के टच में रहे हैं. हमने उनको बताया नहीं था, क्योंकि हम खुद ही इतने ज्यादा परेशान चल रहे थे. तो हमने किसी को इन्फॉर्म नहीं किया. पर हां, अगर एक मैसेज भी चला जाता उनको तो उनका रिस्पॉन्स जरूर आता. और वो हमें पर्सनली जरूर कॉल करते. वो सुहानी के साथ हमेशा से बॉन्ड बनाकर रहे हैं. अभी आमिर जी की बेटी की भी शादी हुई है, हमें इनवाइट आया था प्रॉपर, फोन भी आया था कि आपको आना है.

सुहानी के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा कि 'दंगल' के बाद उसने कुछ किया नहीं. थोड़े बहुत एड्स वगैराह किए और कुछ किया नहीं, क्योंकि हम चाहते थे कि वो अपनी क्वालिफिकेशन पूरी करे, क्योंकि उसको जाना एक्टिंग लाइन में ही था. तो उसने बोला- मम्मी, मैं भी यही चाहती हूं कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके फिर जाऊं उस लाइन में ताकी थोड़ा मेरा और अच्छा हो जाएगा. फिर उसने अपनी रेगुलर स्कूलिंग की, कॉलेज गई और कॉलेज में भी बहुत अच्छा कर रही थी. आखिरी सेमेस्टर में उसने टॉप भी किया था. वो एक शानदार बच्ची थी. हर चीज में वो बेस्ट थी.

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

टमाटर की खेती से होगी लाखों की कमाई, इन बातों का रखें ध्यान

टमाटर की खेती कर आप अच्छी कमाई कर सकते हैं. टमाटर की खेती करना आसान है, बस इसकी खेती के दौरान कुछ चीजें ध्यान मेंरखनी चाहिए. आइए जानते हैं, टमाटर की खेती से जुड़ी जरूरी टिप्स।

करण वाणी, न्यूज

लागत से अधिक होगा मुनाफा

साल में दो बार कर सकते हैं टमाटर की खेती

भारत में टमाटर की खेती बड़े स्तर पर होती है. कई किसान टमाटर की खेती कर बड़ा मुनाफा कमाते हैं. अगर आप 1 हेक्टेयर में भी टमाटर की खेती करते हैं, तो आपके पास 800 से 1200 क्विंटल टमाटर का उत्पादन होगा।

टमाटर की खेती के लिए कैसी होनी चाहिए मिट्टी?

टमाटर की खेती अलगझअलग तरह की मिट्टी पर की जा सकती है. इसके लिए रेतीली दोमट से लेकर चिकनी मिट्टी, लाल और काली मिट्टी तक पर खेती की जा सकती है. बस एक चीज का ध्यान रखें, जो भी मिट्टी आपके खेत में हो, उसमें पानी की उचित निकासी होनी चाहिए।

कब करनी चाहिए टमाटर की खेती?

अगर उत्तर भारत की बात करें तो टमाटर की खेती यहां साल में दो बार की जाती है. पहली खेती जुलाईझअगस्त से शुरू होकर फरवरीझमार्च तक चलती है. वहीं, दूसरी खेती नवंबरझदिसंबर से लेकर जूनझजुलाई तक चलती है।

इस खेती में होता है कितना फायदा?

टमाटर की खेती में किसान बड़ा फायदा उठा सकते हैं. किसान एक हेक्टेयर में 800-1200 क्विंटल तक पैदावार पा सकते हैं. ज्यादापैदावार की वजह से किसानों को लागत से ज्यादा मुनाफा होता है. आप अगर एक हेक्टेयर में खेती कर रहे हैं, तो आप 15 लाख तककी कमाई कर सकते हैं।

एक हेक्टेयर जमीन के लिए चाहिए कितने टमाटर के बीज?

अगर आप सामान्य किस्म का टमाटर लगाते हैं तो प्रति हेक्टेयर आपको करीब 500 ग्राम बीज की जरूरत होगी, जबकि हाइब्रिड बीच250-300 ग्राम ही चाहिए होगा।

खेती से पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है?

टमाटर की खेती में सबसे पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है. करीब महीने भर में नर्सरी के पौधे खेतों में लगाने लायक हो जाते हैं।

कैसे करें खेत की सिंचाई?

सर्दियों के मौसम में 6 से 7 दिन के अंतराल पर आपको खेत की सिंचाई करनी चाहिए और गर्मी के महीने में मिट्टी की नमी के आधार पर10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

कितना तापमान खेती के लिए उचित?

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जो गर्म जलवायु में ही उगाई जाती है परंतु इसकी खेती ज्यादातर ठंडे मौसम में की जाती है. इसके सफलउत्पादन के लिए इसका तापमान 21 से 23 डिग्री अनुकूल माना जाता है।

ये राज्य हैं टमाटर के प्रमुख उत्पादक?

बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल टमाटर के मुख्य उत्पादक वाले राज्य हैं. पंजाब में, अमृतसर, रोपड़, जालंधर, होशियारपुर टमाटर उगाने वाले जिले हैं।

बिजनेस आइडियाः इस पेड़ की दुनिया भर में है डिमांड, भर जाएगी पैसों की झोली

पॉपुलर के पेड़ों की खेती भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में की जाती है। एशिया, नॉर्थ अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका में पॉपुलर पेड़ लगाए जाते हैं।

भारत एक कृषि प्रधान देश है और खेती की बदौलत ही बड़ी आबादी की रोजी-रोटी चलती है, यूं तो लोग अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए सालों से खेती का सहारा लेते आ रहे हैं, लेकिन अब भी खेती-किसानी को ज्यादा प्रॉफिट वाला नहीं माना जाता है, अतीत में बड़ी संख्या में किसान कभी कर्ज तो कभी फसल की बबार्दी की वजह से आत्महत्या करते आए हैं, हालांकि, खेती करके कई किसान लाखों-करोड़ों रुपये भी कमाते हैं, कई तरह की फसलें होती हैं, जिनकी मदद से किसान आमदनी को बढ़ा सकता है, उसी तरह, कई तरह के पेड़ों की डिमांड भी मार्केट में बहुत है और उसकी लकड़ियों की अच्छी-खासी रकम मिलती है, इसी तरह यदि आप पॉपुलर के पेड़ों की खेती करते हैं तो फिर आपको अच्छा लाभ मिल सकता है।

दुनिया में कहां उगाए जाते हैं पॉपुलर के पेड़?

पॉपुलर के पेड़ों की खेती सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के कई हिस्सों में होती है, एशिया, नॉर्थ अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका के देशों में पॉपुलर के पेड़ उगाए जाते हैं और फिर उन्हें विभिन्न कामों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, इस पेड़ का इस्तेमाल पेपर को बनाने में, हल्की प्लाईवुड, चॉप स्टिक्स, बॉक्सेस, माचिस आदि बनाने के लिए किया जाता है।

किस तापमान में उगता है पॉपुलर का पेड़?

पॉपुलर के पेड़ की खेती के लिए तापमान की बात करें तो भारत उसके लिए सबसे सही वातावरण वाले देशों में एक है. दरअसल, पॉपुलर की खेती के लिए पांच डिग्री सेल्सियस से लेकर 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान की जरूरत होती है. इसे सूरज की सीधी रौशनी की आवश्यकता होती है. वहीं, नीचे की मिट्टी से यह पेड़ आसानी से मॉइश्चर भी हासिल कर लेता है. हालांकि, जिन जगह खूब बर्फबारी होती है, वहां पर पॉपुलर के पेड़ नहीं उगाए जा सकते हैं. इसकी खेती के लिए आपके खेत की मिट्टी 6 से 8.5 पीएच के बीच में होनी चाहिए।

पॉपुलर के पेड़ों संग हो सकती है अन्य की खेती भी

अगर आप अपने खेत में पॉपुलर के पेड़ों को लगाना चाहते हैं तो सिर्फ उसी पेड़ को लगाना ही आवश्यक नहीं है. बल्कि आप अन्य जरूरत वाली चीजों की खेती भी कर सकते हैं. पेड़ों के बीच आप गेंहू, गन्ने, हल्दी, आलू, धनिया, टमाटर आदि को भी उगा सकते हैं और उससे भी अच्छी कमाई कर सकते हैं. एक पेड़ से दूसरे पेड़ के बीच में दूरी तकरीबन 12 से 15 फीट के बीच की रख सकते हैं. इसके बीच में आप अन्य गन्ना या फिर कोई और चीज की बुआई कर सकते हैं।

कहां से मिलेगी पौध?

अगर आप पॉपुलर के पौधे को खरीदना चाहते हैं तो आप देहरादून के वन अनुसंधान यूनिवर्सिटी, गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, मोदीपुर में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल आदि के केंद्रों से ले सकते हैं. किसानों को पॉपुलर के पौधे रखे हुए नहीं लगाने चाहिए. उससे पेड़ ज्यादा मजबूत नहीं उगते हैं. पॉपुलर के पौध को पेड़ से अलग करने के तकरीबन चार दिनों के भीतर ही उसे बैठा दिया जाना चाहिए।

पॉपुलर की खेती से बंपर होगी कमाई

कोई भी खेती करने से पहले उससे होने वाली कमाई पर सबसे पहले ध्यान जाता है. यदि आप पॉपुलर की खेती कर रहे हैं तो आपको इससे बंपर कमाई हो सकती है. पॉपुलर के पेड़ों की लकड़ियां 700-800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिकती हैं. एक पेड़ का लट्ठ आसानी से 2000 रुपये तक बिकता है. अगर पॉपुलर के पेड़ों की सही तरीके से देखभाल की जाए तो एक हेक्टेयर में 250 पेड़ तक उगाए जा सकते हैं. जमीन से एक पेड़ की ऊंचाई तकरीबन 80 फीट तक होती है. आप एक हेक्टेयर की पॉपुलर की खेती से छह से सात लाख रुपये तक की कमाई कर सकते हैं।

यूक्रेन के अवदिक्का शहर पर रूस का कब्जा

करण वाणी, न्यूज

रूस ने यूक्रेन के अवदिक्का शहर पर कब्जा कर लिया है। अवदिक्का यूक्रेन का अहम पूर्वी शहर है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस उपलब्धि के लिए अपनी सेना की तारीफ की है।

यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दरअसल रूस ने यूक्रेन के अवदिक्का शहर पर कब्जा कर लिया है। अवदिक्का यूक्रेन का अहम पूर्वी शहर है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस उपलब्धि के लिए अपनी सेना की तारीफ की है और इस जीत को बेहद अहम बताया। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई सोइगु ने राष्ट्रपति पुतिन को इसकी जानकारी दी।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि अवदिक्का यूक्रेनी सेनाओं के लिए एक मजबूत डिफेंस हब था और अवदिक्का पर रूसी कब्जे से यूक्रेन की रूस पर हमला करने की क्षमता बुरी तरह से प्रभावित होगी। यूक्रेनी सेना के चीफ ने शनिवार को बयान जारी कर अवदिक्का पर रूसी कब्जे की पुष्टि की। यूक्रेनी सेना के चीफ अलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा मैंने अपने सैनिकों को पीछे हटाने का फैसला किया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी कहा कि पीछे हटने का फैसला सैनिकों की जान बचाने के लिए किया गया। जेलेंस्की ने हार का ठीकरा हथियारों की कमी पर फोड़ा। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यूक्रेन हथियारों की कमी से जूझ रहा है। खासकर लंबी दूरी के हथियार और मिसाइलों की कमी है। इसी के चलते रूस ने हमले तेज कर दिए थे।

रूस के हमले में तबाह हो चुका है अवदिक्का शहर

रूस यूक्रेन युद्ध में पूर्वी सीमा पर चल रहे युद्ध में अवदिक्का में सबसे भयंकर लड़ाई हुई। यहां रूस ने भारी बमबारी और एयरस्ट्राइक की। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के डोनेत्सक शहर से अवदिक्का की दूरी 10 किलोमीटर से भी कम है। अवदिक्का की लड़ाई की तुलना बाखमुत की लड़ाई से भी की जा रही है, जहां 10 हजार से भी ज्यादा सैनिकों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अवदिक्का की आबादी करीब 34 हजार थी, जो युद्ध शुरू होने के बाद पलायन कर गए। अभी भी करीब एक हजार लोग यहां रह रहे हैं। युद्ध के चलते अधिकतर शहर तबाह हो चुका है।

यूपी पुलिस की परीक्षा में चोरी करते 122 गिरफ्तार, एटा में पकड़े गए 15

यूपी पुलिस की 17 और 18 फरवरी को दो पालियों में हुई परीक्षा में लगभग 48 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए हैं. सेंध लगाने के आरोप में पुलिस ने विभिन्न जिलों से 122 लोगों को गिरफ्तार किया है

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश में पुलिस विभाग की सिपाही भर्ती परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करके सेंध लगाने की योजना बनाने के आरोप में पुलिस ने विभिन्न जिलों से 122 लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने एक बयान में बताया कि अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार, एटा से 15, मऊ, सिद्धार्थनगर व प्रयागराज से नौ-नौ, गाजीपुर से आठ तथा आजमगढ़ से सात लोगों सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से अब तक 122 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में से कुछ के पास नकल की गलत पर्चियां मिली, कुछ लोग अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे,जबकि कुछ लोगों ने अभ्यर्थियों से पैसा लिया था. यश के मुताबिक, यह गिरफ्तारियां 15 से 17 फरवरी की रात के बीच की गयी हैं .

करीब 48 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए

डीजीपी कुमार ने खुद भी गोमती नगर के महामना मालवीय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और जेएमडी पब्लिक हायर सेकेंडरी कॉलेज के परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया. उन्होंने कहा कि 17 और 18 फरवरी को दो पालियों में होने वाली परीक्षा में लगभग 48 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए हैं.

सभी अधिकारी भ्रमणशील रहे तथा परीक्षा बहुत सुचारू रूप से हुई . उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर भी पुलिस की निगरानी जारी है. इससे पहले एटा जिले के अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय कुशवाहा ने कहा, ह्लहमने सिपाही भर्ती परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने की योजना बनाने के लिए 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. कोतवाली पुलिस थाने की निगरानी टीम ने गिरफ्तारी की है.

पुलिस व स्थानीय प्रशासन सतर्क

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की सिपाही भर्ती परीक्षा 17 और 18 फरवरी को हो रही है जिसके मद्देनजर पूरे प्रदेश में पुलिस व स्थानीय प्रशासन सतर्क है. एटा के जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने कहा, स्थानीय पुलिस के साथ जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी इस पुलिस भर्ती परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी उपाय कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी तरह के अनुचित साधनों का उपयोग ना होने पाए.

छापा मारकर सलीम को गिरफ्तार किया

पुलिस ने रसड़ा थाना क्षेत्र के कोटवारी मोड़ के पास बलिया मार्ग पर स्थित एक दुकान पर छापा मारकर सलीम को गिरफ्तार किया. पुलिस ने अंसारी के पास से 8.99 लाख रुपये जब्त किए जो उसने कथित तौर पर भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले विभिन्न अभ्यर्थियों से लिए थे.

विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस ने सलीम के पास से भर्ती परीक्षा से संबंधित अभ्यर्थियों के 16 प्रवेशपत्र,12 मूल शैक्षिक प्रमाणपत्र, स्वयं के चार फर्जी आधार कार्ड, एप्पल का एक मोबाइल फोन तथा एक डायरी भी बरामद की है. इस मामले में सलीम के विरुद्ध रसड़ा थाने में नामजद मामला दर्ज किया गया है.

वहीं, आगरा में पुलिस उपायुक्त (नगर) सूर्य राय ने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षा कथित रूप से दस-दस लाख रुपये में पास कराने का झांसा देने वाले करतार सिंह और टिंकू को विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और हरीपर्वत पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800